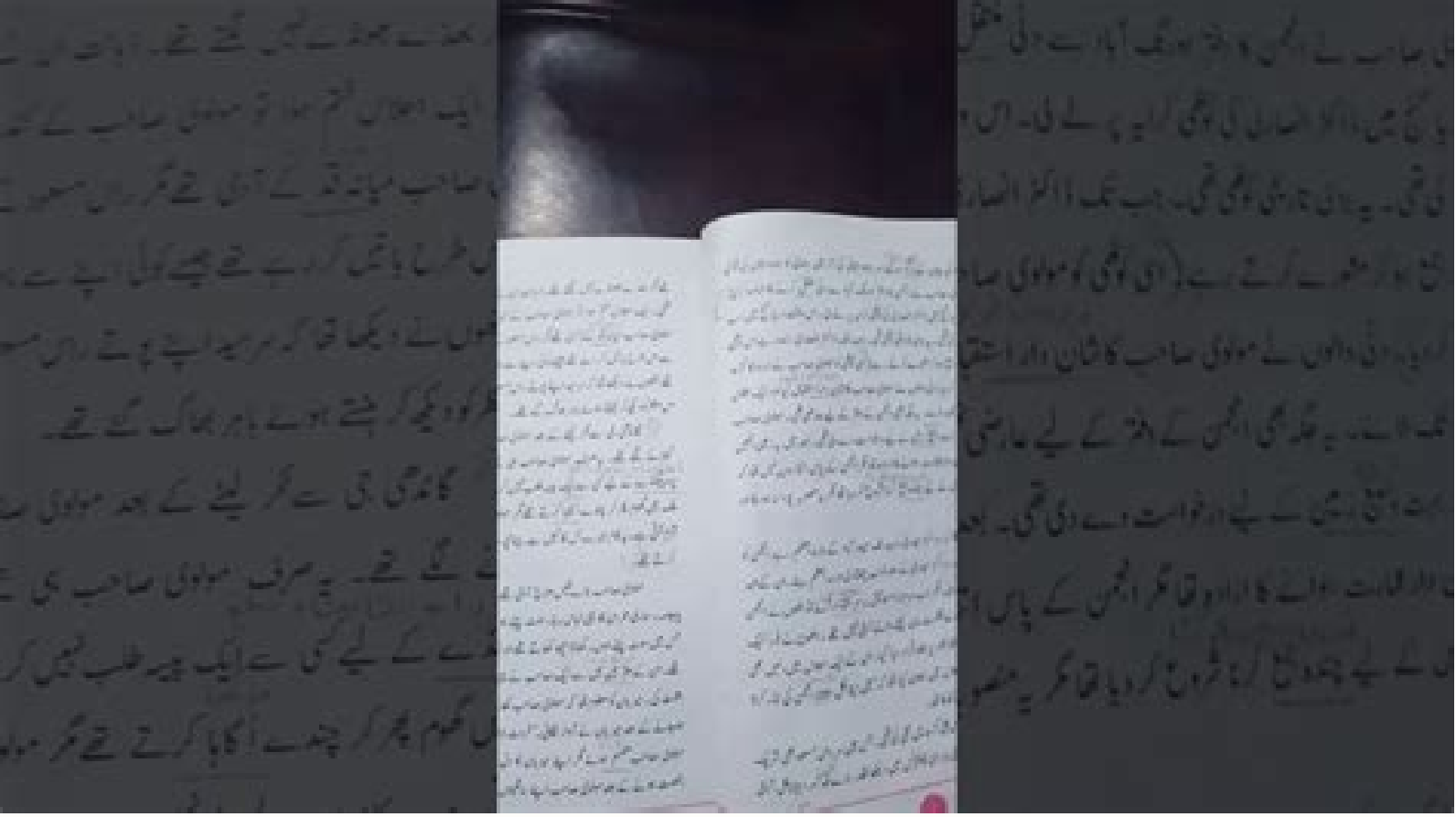


I'm not robot!



बात भी नहीं समझाई थी पर अचानक ही यह बात पापा की समझ में आ गई कि वह रोज़-रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकते। अगली बार जब उनसे यही सवाल पूछा गया तो उन्हें अफ़सर की याद आ गई, और उन्होंने कहा, “मैं इंसान बनना चाहता हूँ।”

इस बार कोई भी नहीं हँसा और पापा समझ गए कि यही सबसे अच्छा जवाब है। आज भी वह यही समझते हैं। पहली बात तो यही है कि हमें अच्छा इंसान बनना चाहिए।

अलेक्सांद्र रस्किन

